केशवसृष्टि समाचार

Postal Registration No. THW/06/2017-2019 Posted at Partika Channel Sorting Office, Mumbai GPO 400001. Published on 5th of every month & Posting on 7th and 8th of every month. RNI no. 72232/99

वर्ष १९ । अंक १२ । भायंदर । दिसम्बर २०१९ । विक्रम संवत २०७६ । पृष्ठ २० । मूल्य रु. १०/- वार्षिक रु.१००/-

१०वां केशवसृष्टि पुरस्कार

पुरस्कार विजेता :
श्री राहुल देशमुख

प्रमुख अतिथि :
मा. भैयाजी जोशी, सरकार्यवाह

केशवसृष्टि
पुरस्कृत व्यक्तियों
का स्नेहमिलन

केशवसृष्टि
पुरस्कार के कार्यक्रम में
वानप्रस्थाश्रम के
निवासी

केशवसृष्टि
पुरस्कार
मानपत्र देते हुए

केशवसृष्टि
कृषी तंत्र निकेतन के
पूर्व विद्यार्थीयोंका
स्नेह मिलन संपन्न

संपादकीय

श्रद्धेय भाईजी हनुमानप्रसाद पोद्दारजी ने कहा है, ''असली सेवा वही है कि अपनी क्रिया, अपने आचरण व अपने भावों के द्वारा दूसरों के हृदय में भगवान को जगा दे।'' भगवान अर्थात् अन्तरात्मा को, अन्तः प्रेरणा को, आत्मविश्वास को जगा दे जिससे मनुष्य दरिद्रनारायण, हताश, निराश लोगों में आशा की किरण से उन्हें स्वयं के पैरों पर खड़े होने हेतु प्रेरित करे। ऐसे ही एक सेवक हैं श्री राहुल देशमुख, किसी कारणवश नयनों की ज्योति जाने के बाद भी वे निराश नहीं हुए। स्वयं परिश्रम कर पढ़ाई पूरी की और स्वयं के पैरों पर खड़े हुए। वे वहीं नहीं रुके । उन्हें लगा कि उनके जैसे अनेक लोग हैं जो अपनी शारीरिक कमियों के कारण निराश, हताश होकर गुमनामी के अंधेरे में खो जाते हैं। ऐसे दिव्यांग व्यक्तियों के लिए राहुल देशमुख दीपस्तंभ बने । एक संस्था बनायी - नेशनल असोसिएशन फ़ॉर वेलफ़ेअर ऑफ़ फ़िजीकली चैलैन्जड् (एनएडब्ल्यूपीसी) जिसके द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों की सहायता की है, उन्हें प्रेरित किया और जीवन जगने के लिए उनके सम्बल बने। उन राहुल देशमुख को गत ११ नवम्बर को केशवसृष्टि ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उस कार्यक्रम के बारे में आप उस अंक में अन्यत्र पढ़ेंगे।

गत मास और एक घटना घटित हुई। उच्चतम न्यायालय का ऐतिहासिक निर्णय आया। किन्तु उस निर्णय आने के पूर्व नेताओं द्वारा टी.वी. चैनलों के माध्यम से, धार्मिक नेताओं के माध्यम से एक संदेश वातावरण में फैलने लगा। निर्णय कुछ भी हो, सभी को मान्य करना चाहिए, संयम रखना चाहिए, निर्णय किसी के पक्ष में हो, उसे जीत या हार नहीं समझना । सदियों के संघर्षों के बाद, कितने ही होनहार युवकों के बलिदानों के बाद डेढ़ सौ सालों की लड़ाई के बाद, हिन्दुओं के आराध्य भगवान श्री राम की जन्मभूमि मुक्त हुई परन्तु हिन्दुओं को इस अवसर पर हर्षोल्लास मनाने से रोका गया । क्यों? दूसरे पक्ष को बुरा न लगे। और दूसरा पक्ष? निर्णय मानने को तैयार नहीं, उसने उच्चतम न्यायालय में रिव्यूपिटीशन दायर कर दी है। हिन्दुस्थान पर सारी पाबन्दियाँ हिन्दुओं पर ही क्यों? मन्दिर में ज़ोर से घाण्टियाँ मत बजाओ, मन्दिरों से लाऊडस्पीकर हटाओ, धार्मिक यात्राएँ अमुक अमुक रास्तों से मत निकालो । वहाँ से जाती हैं तो यात्रियों पर आक्रमण होते हैं, दोष आक्रमणकारियों पर नहीं, पीड़ित हिन्दुओं को ही दिया जाता है । धर्मस्थान भी, सरकारों द्वारा, हिन्दुओं के ही हथिया लिये जाते हैं और उनके द्वारा आराध्य को समर्पित धन, अन्य धर्मावलम्बियों की योजनाओं में खपाया जाता है। हिन्दुस्थान में भी हिन्दू अपनी तरह से जी नहीं सकते। एक मज़ेदार किस्सा । महाराष्ट्र में तीन विद्यार्थी, प्रथम आये विद्यार्थी का पुरस्कार लेकर भागे; बोले हमारे तीनों के अंक मिलकर उससे अधिक हैं। इस तरह महाराष्ट्र में सरकार बन गयी। लुटा हुआ मतदाता टुकुर टुकुर देखता रह गया। एक मतदाता न्याय पाने हेतु न्यायालय गया परन्तु, उसे वहाँ भी मुँह की खानी पड़ी । उसकी याचिका ख़ारिज़ कर दी गयी। अब यदि नेता लोग ही आपसी में चायपार्टी पर मिलकर सरकार बना देते हैं और एक तरह से न्यायालय भी उसे मान्यता देता है तो फिर चुनाव कराने का तमाशा क्यों? बिचारे मतदाता कड़ी धूप में या बारिश में घण्टों खड़े रहकर मतदान क्यों करें? जनता को सोचना चाहिए और सोचना चाहिए संविधान की दुहाई देनेवालों को भी।

इस मास भारत रत्न डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर जी का निर्वाण दिन है । इस मास अर्थात् ६ दिसम्बर को रामजन्मभूमि पर लगा दाग़ भी मिटाया गया था। इस मास दत्तजयन्ती भी है तो ईसाई बन्धुओं के आराध्य ईसा मसीह का भी जन्मदिन है। उनकी पुण्यस्मृति को सादर वन्दन।

०००

बोध-वाक्य

समानो मंत्रः समितिः समानी
समानं व्रतं सहचित्तमेषाम् ।
समानेन वो हविषा जुहोमि
समानं चेतो अभिसंविशध्वम् ।।

(अथर्ववेद ६.६४.२)

हे बंधुओं! हमारे विचार समान हों।
हमारी सभा सबके लिए समान हो।
हम सबका संकल्प एक समान हो।
हम सबका चित्त एक समान भाव से भरा हो।
एक विचार होकर अपने कार्य में एक मन से लगे ।
इसीलिए हम सबको समान मौलिक शक्ति मिली है।

केशवसृष्टि समाचार

दिसम्बर २०१९ मासिक
वर्ष २० | मूल्य रु. १०/-
अंक १२ | वार्षिक रु. १००/-

संपादक मंडल :

सुदर्शन शर्मा
(मुख्य संपादक)

व्यासकुमार रावल
विजय इंगळे

कार्यालय :
केशवसृष्टि, उत्तन,
भायन्दर, जि. ठाणे

दूरभाष :
२८४५०२४७, २८४५२८५५

मुद्रक एवं प्रकाशक
सुरेश भगेरिया
केशवसृष्टि के लिए

युनिटी आर्ट ऑफसेट :
३०२, वडाला उद्योग भवन,
वडाला, मुंबई - ४०० ०३१.
से मुद्रित और केशवसृष्टि,
उत्तन,भायन्दर, जि. ठाणे
से प्रकाशित हुई है।

दसवाँ केशवसृष्टि पुरस्कार कार्यक्रम सम्पन्न

भायंदर में उत्तन स्थित केशवसृष्टि द्वारा प्रतिवर्ष समाज के बीच उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्ति अथवा संस्था को एक लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाता है। ११ नवम्बर को वीर सावरकर सभागृह दादर में यह पुरस्कार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह भैयाजी जोशी द्वारा पुणे के राहुल देशमुख को प्रदान किया गया।

इस अवसर पर नेशनल असोसिएशन फ़ॉर वेल्फेअर ऑफ़ फ़िज़िकल चैलेंज्ड संस्था के राहुल देशमुख को प्रदान करते हुए भैयाजी जोशी ने कहा कि राहुलजी स्वयं देख नहीं सकते परंतु समाज के लिए काम करने की उनकी दृष्टि है। उस श्रेष्ठ व्यक्ति के सम्मान में भैयाजी ने प्रशंसा करते हुए कहा कि शायद राहुल देशमुख के पास नेत्र नहीं हैं लेकिन कार्य के प्रति इच्छा शक्ति ऐसी है कि उनके पास दृष्टि है तथा देशमुख एक पुरुषार्थी व्यक्तित्व है। ऐसे व्यक्ति का सत्कार केशव सृष्टि द्वारा किया गया यह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि पुरस्कार के लिए तो काम सभी करते है परंतु केशव सृष्टि काम के लिए पुरुस्कार देती है! केशव सृष्टि जिस महापुरुष के नाम से चल रही है, एक स्वस्थ, संस्कारी, समृद्ध, समरसता के साथ समाज को खड़ा करना चाहिए यह

केशव का स्वप्न है और उसको साकार करने हम सब साथ हैं!

इस अवसर पर पुरस्कार मूर्ति राहुल देशमुख ने कहा कि हम ग्रामीण भागों में नेत्रहीन व अपंग बच्चों के लिए काम करते हैं, उनमें आत्मविश्वास निर्माण कर ख़ुद के पैरों पर खड़ा करना ही हमारा लक्ष्य है। उनको समाज में सम्मान मिले उसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर काम किया है तथा उस कार्य की रसीद के रूप में मुझे केशव सृष्टि पुरस्कार मिला है ऐसा में मानता हूँ। कार्य करते समय के उतार चढ़ाव देखे परंतु मैं अडिग रहा ! तथा मुझे खुद में विश्वास था।

इस अवसर पर केशवसृष्टि पूर्व अध्यक्षा तथा पुरस्कार समिति की सदस्या की अलका मांडके ने पुरस्कार चयन संबंधित जानकारी दी !केशव सृष्टि के अध्यक्ष एस एस गुप्ता ने कहा कि केशव सृष्टि पुरस्कार चयन समिति प्रति वर्ष देश भर में प्रवास कर नगीने ढूंढ़ कर लाती है व पुरस्कृत करती है। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगो के प्रति आभार प्रकट किया !

कार्यक्रम के दौरान प्रतिवर्ष दिए जाने वाले केशवसृष्टि उत्कृष्ट कर्मचारी पुरस्कार भैयाजी जोशी द्वारा केशव सृष्टि की निशा मरोलिया को दिया गया!

केशवसृष्टि पुरस्कार मूर्ति राहुल वसंत देशमुख उनकी धर्मपत्नी देवता देशमुख, अलका मांडके, हेमा भाटवडेकर, एस. एस. गुप्ता की मंच पर उपस्थिति में हुए इस समारोह में पूर्व केशवसृष्टि पुरस्कार प्राप्त मूर्तियाँ, गजानंद डांगे, विजय जाधव,नरसिंह झरे, मिलिंद थत्ते, विजय शिवले, सागर रेड्डी,प्रमोद गायकवाड़ भी मौजूद थे जिनको लेकर यह माना जा सकता है कि केशवसृष्टि पुरस्कार प्राप्त सत्कार मूर्ति केशवसृष्टि परिवार के सदस्य के रूप में भावनात्मक रूप से जुड़ जाती है। कार्यक्रम का संचालन अमेया जाधव ने किया। इस अवसर पर केशवसृष्टि के विमल केडिया, सतीश सिन्नरकर,विनय नाथानी सहित पुरुस्कार चयन समिति की अध्यक्षा हेमा भाटवडेकर रश्मि भातखलकर, कविता रेगे, अस्मिता हेगड़े, वैजयंती आप्टे, शुभा राऊल, सुनीता तिवारी, सुनयना नटे, अलका मांडके, अमेया जाधव सहित कई महिला सदस्य केशवसृष्टि के सभी प्रकल्पों के ट्रस्टी भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के पूर्व केशवसृष्टि पुरस्कार संबंधित ९ वर्षो के इतिहास तथा पुरुषार्थी कार्यों को लेकर विवेकानन्द विजय इंगले द्वारा संपादित फ़िल्म भी बताई गई जिसे भैयाजी जोशी सहित सभागृह में उपस्थित लोगों ने देखा

भैयाजी जोशी के हाथों

'ज्योतिने तेजाची आरती'

पुस्तक का विमोचन

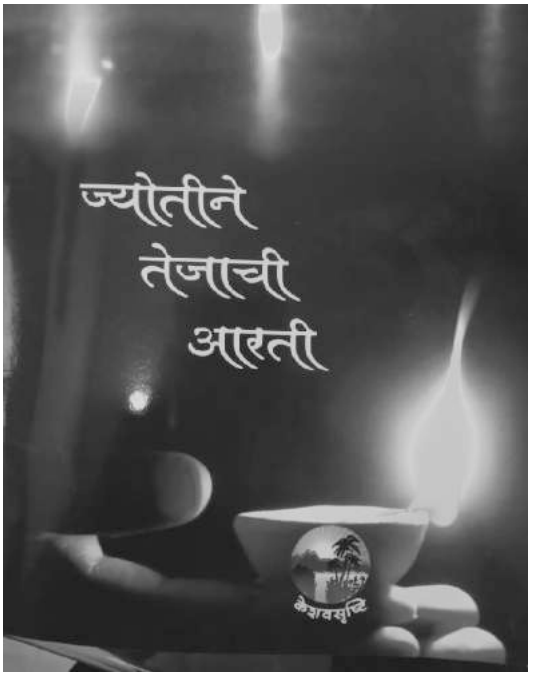

केशवसृष्टि पुरस्कार समारोह के दौरान केशवसृष्टि पुरस्कार समिति द्वारा प्रकाशित मराठी प्रकाशन, 'ज्योतिने तेजाची आरती' पुस्तक का भैयाजी जोशी के हाथों विमोचन किया गया। इस अवसर पर सभागृह में केशवसृष्टि के प्रेरणा स्रोत बिमल केडिया, सुरेश भगेरिया, मुकुंद चितले, डॉ अलका मांडके एस. एस. गुप्ता, सतीश सिन्नरकर, दाऊदयाल शर्मा, विनय नाथानी सहित अनेक मान्यवर भी उपस्थित थे।

रश्मि भातखलकर द्वारा सुंदर मुखपृष्ठ डिजाइनिंग, डॉ कविता रेगे द्वारा लेख संग्रहित व केशव सृष्टि द्वारा प्रकाशित ५६ पृष्ठों की बहुरंगी इस पुस्तक में अब तक दिये गये केशवसृष्टि पुरस्कार प्राप्त डॉ हेडगेवार सेवा समिति नंदुरबार के गजानंद डांगे, समतोल फाऊंडेशन मामलोनी ठाणे के विजय जाधव, भटके विमुक्त विकास प्रतिष्ठान लातूर के नरसिंग झरे, असीम फाउंडेशन जम्मू कश्मीर के सारंग गोसावी, हिरवाई सोशल एंड एजुकेशन ऑर्गनाइजेशन सातारा की संध्या चौगले, सेवा भारती पूर्वांचल की डॉ प्रतिभा आठवले,वयम संस्था जव्हार के मिलिंद थत्ते, सुराज्य सर्वांगीण विकास प्रकल्प पुणे के विजय शिवले, एकता निराधार संघ कामशेत के सागर रेड्डी,सोश्यल नेटवर्किंग फोरम नासिक के प्रमोद गायकवाड़ तथा दसवाँ केशव सृष्टि पुरुस्कार प्राप्त नेशनल असोसिएशन फ़ॉर द वेलफेअर ऑफ़ फ़िज़ीकली चेलेंड़ पुणे के राहुल देशमुख के समाजोन्मुखी कार्यों को सुंदर तरीके से कलम बद्ध किया गया है साथ ही इस पुस्तक में चयन समिति द्वारा कहां कहां प्रवास किये गये तथा देखे गये सामाजिक कार्यों को भी सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया गया है।

इसके अतिरिक्त इस पुस्तक में केशवसृष्टि के प्रकल्प उत्तन कृषि संशोधन संस्था, वनोषधि संशोधन संस्था,सायनोफॉम संशोधन प्रकल्प, विविध लक्ष्यी शिक्षण संस्था, केशवसृष्टि गौशाला, रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी, किशन गोपाल राजपुरिया वानप्रस्थाश्रम, पर्यावरण संरक्षण, केशवसृष्टि माय ग्रीन सोसाइटी, अक्षय ऊर्जा कैम्प, सूर्य कुम्भ, एक दिन का किसान, केशवसृष्टि ग्राम विकास योजना, केशवसृष्टि पुरस्कार,अजिंक्य स्मारक, केशवसृष्टि महापूजा व महोत्सव केशवसृष्टि के मंदिर तथा केशव सृष्टि समाचार आदि के कार्यों का संक्षिप्त समावेश कर केशवसृष्टि की सेवा वृत्ति की जानकारी इस पुस्तक के माध्यम से मराठी भाषा में दी गयी है।

केशवसृष्टि– ग्राम विकास योजना

मासिक रिपोर्ट नवंबर, २०१९

संपूर्ण बांबू केंद्र के संस्थापक श्री सुनील देशपांडेजी की टेटवाली भेट ११ और १२ नवंबर, २०१९

संपूर्ण बांबू केंद्र, मेलघाट, अमरावती के विश्वस्त श्री सुनीलजी देशपांडे टेटवाली भेंट देने वाड़ा पधारे। उन्होंने टेटवाली के बांबू हस्तकला केंद्र को भेंट दी और महिलाओं के साथ विस्तृत चर्चा की । नयी कल्पनाएँ तथा नये डिज़ाईन किस तरह से तैयार किये जा सकते हैं इसका मार्गदर्शन उनके द्वारा किया गया। इस भेंट से महिलाओं का आत्मविश्वास बढा। साथ ही उन्होंने डेंगाची मेट और वसूरी की रोपवाटिका को भी भेंट दी। विभिन्न गांवों में उपलब्ध बांबू का सर्वेक्षण किया गया। सुनीलजी ने बांबू रोपण के बारे में तथा किस प्रजाती का बांबू हमें काम में आ सकता है इस विषय पर ग्राम विकास योजना की टीम का मार्गदर्शन किया।

बांबू डिज़ाईन स्टूडिओ के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि हस्तकला के साथ बांबू आभूषण तथा बांबू से वास्तूनिर्माण के बारे में भी हमने सोचना चाहिए।

श्री गौरव श्रीवास्तव, श्री महेश चितले, श्री संदेश बोरसे और श्री दिलीप घाटाल उनके साथ दौरे पर रहे। १२ नवंबर को श्री सुनीलजी वाडा कार्यालय में आये । थैली उद्योग की महिलाओं के साथ वार्तालाप हुआ।

माधव संस्कार केंद्र गतिविधि ११ नवंबर, २०१९

बिरारीपाड़ा के माधव संस्कार केंद्र के बच्चों के साथ, विभाग क्र. ६ के विस्तारक श्री कैलास कुरकुटे ने वार्तालाप किया और उन्हें जलसंधारण तथा पानी बचाने का महत्त्व बताया।

बिरारीपाड़ा के संस्कार केंद्र के सभी बच्चों ने मिल कर, गांव में बहते हुए बरसात के पानी के नेहर पर मिट्टी का बांध बनाया। इस बंधारे से बहता पानी रोका गया जिससे जमीन के अंदर पानी का स्तर बढ़ने में मदद होगी साथ ही रोके हुए पानी का उपयोग बारिश के बाद किया जा सकता है।

जलसंधारण योजना प्रकल्प, पानी सर्वेक्षण १८ नवंबर, २०१९

जलसंधारण योजना के अंतर्गत विभाग ३ के निहाली गांव में तथा विभाग ४ के धिंडेपाडा गांव में, डॉ. मुंडल्येजी ने पानी का सर्वेक्षण किया । डॉ. मुंडल्येजी के साथ श्री महेश चितले, श्री विजय धापसी, और श्री सचिन पाचलकर भी इस सर्वेक्षण के दौरान रहे। डॉ. मुंडल्येजी ने, दोनों गांवों में पूरा गांव घूम कर, पानी के हर एक स्त्रोत का सर्वेक्षण किया। इस सर्वेक्षण की रिपोर्ट मुंडल्येजी जल्द ही देंगे।

इस प्रकल्प के अंतर्गत और गांवों का सर्वेक्षण किया जाएगा । इस सर्वेक्षण के आधार पर २०१९-२० के जलसंधारण के कामों की योजना बनेगी।

कृषी एकत्रीकरण दूसरी तथा तीसरी फसल मार्गदर्शन १६ नवंबर, २०१९

दूसरी तथा तीसरी फसल के लिए किसानों को मार्गदर्शन तथा प्रेरित करने का सिलसिला आगे बढ़ाते हुए विभाग क्र. ५ के चिंचपाड़ा गांव में तथा विभाग क्र. ६ के बिरारीपाड़ा गांव में कृषी एकत्रीकरण का आयोजन उत्तन कृषी संशोधन संस्था के साथ किया गया । श्री चेतन ठाकुर और श्री अभय चौधरी ने इस एकत्रीकरण में किसानों का मार्गदर्शन किया। भोपिवली के श्री निलेश पाटिल भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

विभाग क्र. ५ के पालक श्री राजेंद्र शासने, श्री संदेश बोरसे, श्री दिलीप घाटाल ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया । ८० से भी अधिक किसानों ने इस मार्गदर्शन का लाभ लिया।

दूसरी तथा तीसरी फसल का चयन करना इस के साथ ही सेंद्रीय खाद तथा कीटनाशक और मोगरा की फसल इन विषयों पर प्रमुख रूप से चर्चा हुई । चिंचपाडा गांव में उत्तन कृषी संशोधन संस्था के भूतपूर्व विद्यार्थी भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बने।

सभी किसान इस कार्यक्रम में दी गयी जानकारी तथा मार्गदर्शन से काफी प्रभावित हुए। कार्यक्रम के अंत मे श्री चेतन ठाकुर ने किसानों के प्रश्नों का समाधान किया।

विवेकानंद शक्ति केंद्र प्रमुख उद्बोधन सत्र २७ नवंबर, २०१९

गाँववासीयुवाओं का संगठन बनाने हेतु ग्राम विकास योजना ने विवेकानंद शक्ति केंद्र की हर गांव मे स्थापना की । इस के अंतर्गत हर गांव के युवाओं की एक टीम बनेगी जो आगे चल कर नेतृत्व करेंगे और ग्राम विकास के कार्य मे सक्रिय योगदान देंगे।

विवेकानंद शक्ति केंद्रों के प्रमुख कार्यकर्ताओं का ओरिएंटेशन सत्र वाड़ा कार्यालय में आयोजित किया गया । कार्यकर्ताओं को शक्ति केंद्र के काम में उनकी भूमिका समझाना और उनके काम को दिशा प्रदान करना यह कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था ।

३४ गांवों में से ५२ कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। निर्मल पावन भावना गीत के समूहगान से कार्यक्रम की शुरुआत हुई । ग्राम विकास के बारे में श्री संतोष गायकवाड़जी ने कार्यकर्ताओं को अवगत कराया। ग्रामविकास के विभिन्न आयामों के बारे में ग्राम विकास की टीम ने सभी को जानकारी दी। श्री गौरव श्रीवास्तव ने टेटवाली के बांबू हस्तकला केंद्र के बारे में विस्तार से बताया ।

श्री बिमल केडियाजी ने कर्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उनके लिए लक्ष्य निर्धारित किया । उन्होने बताया कि नेतृत्व,

विकासकाम में, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है । विवेकानंद शक्ति केंद्र का मुख्य उद्देश्य नेतृत्व खड़ा करना है। इस कथन से कार्यकताओं का मनोबल ऊंचा हुआ।

सभी कार्यकर्ता इस कार्यक्रम से काफी प्रभावित हुए।

संकल्प २०२२

ग्राम विकास योजना ने, स्वतंत्रता की ७५ वीं वर्षगाँठ पर, ग्राम विकास के लिए संकल्प कर के, साल २०२२ तक, उसको पूरा करने का विचार किया है। सभी गांवों ने अपना संकल्प करके इस कार्य में अपना योगदान दिया। ४८ गांवों ने अपना संकल्प लिखकर ग्राम विकास योजना के कार्यालय को सुपुर्द किया।

इन सभी संकल्पों का विशेषज्ञों द्वारा अभ्यास कर के उसपर आधारित ग्राम विकास योजना अपना सामूहिक संकल्प बनाएगी जो संकल्प२०२२ होगा।

VIKRAMGADH THE BAMBOO HUB

टेटवाली बांबू हस्तकला केंद्र की सफलता देखते हुए ग्राम विकास योजना ने विक्रमगढ़ को 'बांबू हब' बनाने का सोचा है। इस के तहत १० गांवों के लोगों को तैयार कर के टेटवाली के बांबू हस्तकला केंद्र को उन गांवों में दोहराने का प्रयास होगा। इस के अंतर्गत बांबू हस्तकला के साथ ही बांबू आभूषण तथा बांबू से वास्तुनिर्माण का काम भी होगा। श्री गौरव श्रीवास्तव, श्री दिलीप घाटाळ और उनकी बांबू टीम इस योजना पर काम कर रही है। इस महीने में इस टीम ने विक्रमगढ़ तालुका के ९ और गांवों का दौरा किया और लोगों से बातचीत करके उन्हें इस कार्य के लिए तैयार किया। विक्रमगढ़ में जल्द ही ९ और बांबू केंद्र शुरू किये जायेंगे।

दिवाली मिलन नवंबर २०१९

'पहला दिया गांव में' इस नारे के साथ हर साल केशवसृष्टि ग्राम विकास योजना की मुंबई युवा टीम दिवाली उत्सव गांवों मे मनाती है। मुंबई युवा उनके परिवार और मित्रों के साथ अपनत्व की भावना से दिवाली का पहला दिया गांववासियों के घर में जलाते हैं। पिछले तीन सालों से यह शहरी-ग्रामीण-संबंध (Urban-Rural-Connect), दोनों युवाओं के बीच का एक मजबूत जोड़ बनकर उभर आया है।

श्री कैलाश काजरा उनके परिवार के साथ विभाग १ के आलमान गांव में २ नवंबर

श्री मनीष सिन्हा और गौरव अग्रवाल विभाग १ के रावाचा पाड़ा में २ नवंबर

श्री निशी सिंगला उनके परिवार के साथ विभाग १ के खरिवली गांव में ३ नवंबर

- श्री जयदीप पानसरे विभाग १ के भगतपाड़ा में १७ नवंबर
- श्री अंकुश अग्रवाल उनके परिवार के साथ विभाग १ के डगला पाड़ा में १७ नवंबर
- श्री अमेय पत्की उनके परिवार के साथ बिभाग २ के देवगाँव में ३ नवंबर
- श्री दिनेश अग्रवाल उनके परिवार के साथ विभाग २ के गुंज गांव में ३ नवंबर
- ग्राम विकास योजना की टीम विभाग ४ के पास्ते गांव में १४ नवंबर
- श्री नीलकंठजी उनका परिवार तथा श्री निशी सिंगला विभाग २ के किनईपाडा में ३ नवम्बर
- भारतीय प्रशासकीय सेवा के अफसर श्री प्रजित नायर और पारसजी विभाग ६ के बिरारीपाडा में ३ नवम्बर
- श्री सत्यदेवजी बंका बिभाग ६ के बिरारीपाडा में १० नवंबर
- ग्राम विकास टीम विभाग ६ के दादरकोपरा में श्री सत्यदेवजी बंका विभाग ६ के जांभलीचा पाड़ा में

दिवाली मिलन २०१९ की प्रमुख विशेषताएं

- स्वागत से समारोप तक गांववासियों का नियोजन और कार्य
- रास्तों - आंगन में रंगोली सजावट
- भव्य स्वागत तथा संस्कार केंद्रों के बच्चों का कला प्रदर्शन
- गो-माता पूजन
- विवेकानंद शक्ति केंद्र उद्घाटन खेल साहित्य वितरण
- संकल्प २०२२ - अनावारण
- मुंबई युवाओं की तरफ से भेट-वस्तू वितरण
- गांव दौरा
- गांववासियों के घर भोजन

कुल मिलाकर ४७ गांवों में दिवाली मिलन उत्सव मनाया गया। २७६ शहरी युवा कार्यकर्ता अपने गांव में गये। ३५ विवेकानंद शक्ति केंद्रों का लोकार्पण हुआ। ६००० से भी अधिक गांववासियों ने इस उत्सव की मेज़बानी की।

धन्यवाद!

केशवसृष्टि कृषी तंत्र निकेतन के पूर्व विद्यार्थियोंका स्नेह मिलन संपन्न

केशवसृष्टि स्थित केशवसृष्टि कृषी तंत्र निकेतन में शिक्षण प्राप्त ठाणे और पालघर जिले के विरार, सफाला, वाडा, डहाणु, मुरबाड तलासरी इ. स्थानों के पूर्व विद्यार्थियोंका दीपावली स्नेहमिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें पूर्व विद्यार्थी उपस्थित रहे । अनेक विद्यार्थियोंने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

प्रत्येक कार्यक्रम में विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया गया तथा विद्यार्थियोंद्वारा किये गये विशेष कार्यों की समीक्षा की गयी । सभी विद्यार्थियोंने कार्यक्रम के दौरान सामूहीक भोज का लाभ लिया।

जव्हार और विक्रमगड में आयोजित किये गये पूर्व विद्यार्थी स्नेहसंमेलन और कृषि एकत्रीकरण के दौरान कृषी के शिक्षक गण श्री. चेतन ठाकुर, श्री. अभय चौधरी और अभिभावक पूर्व विद्यार्थी उपस्थित थे । इस अवसर पर केशवसृष्टि कृषी तंत्र निकेतनमें शिक्षा प्राप्त किये हुए पूर्व विद्यार्थियों की तरक्की का अवलोकन किया गया।

इस संदर्भ में १७ नवंबर २०१९ को केळवा रोड में केशवसृष्टि कृषी तंत्र निकेतन के पूर्व विद्यार्थियोंका स्नेहसंमेलन हुआ जिसमें कृषी के शिक्षक गण श्रीमती. मनिषा जाधव ने विद्यार्थियोंसे सीधी बात की तथा मार्गदर्शन किया। केळवा में पूर्व विद्यार्थी विनीत गावड़ के घर पर स्नेहमिलन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

१६ नवंबर २०१९ को मुर्धा गाँव, भाईंदर में भी पूर्व विद्यार्थियों के स्नेहसंमेलन का आयोजन किया गया जिसमें श्री. चेतन ठाकुर, श्री. अभय चौधरी, श्री हेमंत केदार, श्रीमती. सारिका आरोट, श्रीमती.वंदना फरांदे और श्रीमती प्राजक्ता दलवी आदि उपस्थित रहे तथा पूर्व विद्यार्थियोंसे बात की। यह कार्यक्रम कृषी तंत्र निकेनत के पूर्व छात्र दर्शन पाटील के घर हुआ जहाँ पर अल्पहार के पश्चात कार्यक्रम समाप्त हुआ।

इस स्नेहमिलन कार्यक्रम के माध्यम से केशवसृष्टि कृषी तंत्र निकेतन में शिक्षण प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों से सीधी बात की गयी तथा उनसे यह जानने का प्रयास किया गया कि शिक्षा के दौरान उनका जीवनस्तर कैसा है? विद्यार्थी अपने क्षेत्र के खेतो में खेती के लिए, किस प्रकार के आधुनिक उपकरणों का उपयोग करते हैं । तथा जैविक खेती बाबत मार्गदर्शन तथा केशवसृष्टि में प्राप्त शिक्षा के दौरान दैनंदिन जीवन में उसका उपयोग कैसे करते हैं। इस के बारे में चर्चा की गयी।

०००

कृषि के प्रशासकीय अधिकारी सागर येवले की विदाई

केशव सृष्टि स्थित उत्तन कृषि संशोधन संस्था में पिछले करीब साढ़े आठ वर्षों से कार्यरत तथा वर्तमान में प्रशासकीय अधिकारी के रूप में कार्यरत सागर येवले का विदाई समारोह रखा गया जिसमें नंदू जोशी,विवेक वैद्य, मनु गोखले, प्रिंसिपाल अनघा माण्डवकर, वनोषधि संसोधन संस्था की डॉ श्रुति वारंग, निशा मरोलिया सहित कृषि तंत्र निकेतन के सभी कर्मचारियों, अधिकारियों ने उपस्थित रह कर सागर येवले का सपत्नीक बिदाई सत्कार किया तथा शॉल श्रीफल से उन्हें बिदाई दी! सागर येवले अब जलगांव स्थित केशव स्मृति प्रतिष्ठान में सेवाएं देंगे।

इस अवसर पर नंदूजी जोशी ने कहा कि सागर ने हमेशा कृषि संस्था को अच्छी सेवाएं दी हैं इसलिए अब आगे उनका भविष्य और भी उज्जवल हो ऐसी कामना करते हैं! प्राचार्या अनघा माण्डवकर ने सागर की विशेषताएँ बतायीं तथा कृषि के प्रति किये गये कार्यो को लेकर कृतज्ञता प्रकट की! केशवसृष्टि की निशा मरोलिया ने कहा कि सागर में समन्वय के साथ काम कर संस्था को लाभ कैसे हो यह हमेशा प्राथमिकता उन्होंने दी!इस अवसर पर सागर येवले के साथ उनकी धर्मपत्नी शुभांगी येवले का भी सत्कार कर उन्हें बिदाई दी गयी तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

श्री सागर येवले बिदाई समारोह के दौरान भावुक हो गये। उन्होंने संस्था के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि संस्था के सभी सदस्योंने मुझे हमेशा कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया। कोई भी कठिन अथवा साधारण कार्य पूरा करने के लिए मुझे योग्य समझा। संस्था के अध्यक्ष श्री अश्विनभाई श्रॉफ, श्री बिमलजी केडिया, श्री प्रकाश राजाध्यक्ष, श्री चंद्रहास देशपांडे, श्री घनश्याम बागवे, नंदु जोशी सहित केशवसृष्टि में कार्यरत सभी संस्थाओं के सदस्य, उत्तन कृषी संशोधन संस्था में कार्यरत सहकारियों का आभारी हूँ। केशवसृष्टि में कार्य कर सामाजिक जीवन में करने में कुछ करने हेतु नयी ऊर्जा और ताकत मिली है।

सायनोफार्म के शोधकार्यों का इंटरनेशनल कॉन्फ़रन्स के लिए चयन

जनवरी २०२० में चेन्नई में संपन्न होनेवाले International Symposium on Bio-Diversity Biology am a Biotechnology of Algae के लिए सायनोफार्म के दो शोधकार्योंका चयन किया गया है। इसे प्रस्तुत करने के लिए संशोधक विद्यार्थी आश्रय भावसार, सुनंदा धोंडगा, शर्वरी सावंत, उनके मार्गदर्शक डॉ. ऋत्विक तथा दीपाली ठेंगोडकर के साथ चेन्नई रवाना होने वाले है।

उसी महीने में संपन्न होने वाले जलगाँव के National Conference on Recent Trends in Biosciences and Environmental Science की Conference के लिए दाखिल किये गये शोधकार्य का भी चयन हो गया है। यह शोधकार्य श्रेया भट्ट तथा सुनंदा धोंडगा इन विद्यार्थियों ने सादर करना है।'

ऐसी उपलब्धियों से संशोधन कार्य को नयी चेतना मिलती है' ऐसा डॉ. ऋत्विक का कहना है। केशवसृष्टि के सायनोफार्म में किये गये संशोधन को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलवाने का और इस नाम को संशोधकों में परिचित कराने का यह उचित अवसर है।

गौशाला की गाय को ही घर की गाय समझे

- मुनि श्री नीलेश विजय

केशव सृष्टि गौसेवा परिषद, विश्व हिंदू परिषद द्वारा संचालित गौशाला में ४ नवम्बर को गोपाष्टमी का पर्व मनाया गया जहाँ पर दिनभर करीब ३ हज़ार की संख्या में गौभक्तों ने पहुँच कर गौपूजन किया, गौसेवा की ।

इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता जैन मुनि, मराठा केसरी व प्रख्यात गौरक्षक मुनि श्री नीलेशचंद्र विजयजी ने गौभक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के प्रत्येक परिवार में गौसंवर्धन तथा गौ पालन की परंपरा रही है । भगवान श्री कृष्ण ने हमें गौ संवर्धन का संदेश दिया परंतु आज मुम्बई जैसे महानगर में स्थिति ऐसी है कि लोग बड़ी बड़ी इमारतों में रहते हैं जहाँ पर चाह कर भी गौ पालन नहीं कर सकते, गौ संवर्धन नहीं कर सकते । ऐसी स्थिति में उन्होंने गौभक्तों से कहा कि केशव सृष्टि गौशाला की गौ माताओं को ही खुद के घर की गौमाता समझें तथा यहाँ आकर गौसेवा करें । इस अवसर पर महाराज साहब के साथ मंच पर मुनि श्री प्रितीयश विजयजी महाराज साहब भी मौजूद थे ।

मराठा केसरी मुनि निलेशचंद्रविजयजी ने कहा कि गोमाता को पृथ्वी पर साक्षात देवी के समान माना जाता है। कहा जाता है कि गाय की देह में समस्त देवी-देवताओं का वास है। इसलिए गो पूजन से सभी देवता प्रसन्न होते हैं। गोपाष्टमी के दिन ग्वालों को दान करना चाहिए। गाय को हरा चारा एवं गुड़ खिलाना चाहिए। कहा जाता है कि गोपाष्टमी के दिन गाय के नीचे से निकलने से पुण्य प्राप्त होता है। वैतरणी पार करने के लिए गोदान का महत्व बताया गया है। माना जाता है कि गोमाता जिस जगह खड़ी रहकर आनंदपूर्वक चैन की सांस लेती है वही स्वर्ग है।

इससे पूर्व गोपाष्टमी को ब्रह्म मुहूर्त से ही गौ पूजन प्राम्भ हो गया । इस अवसर पर गौशाला अध्यक्ष देवकीनंदन जिंदल व कार्यवाह डॉ सुशील अग्रवाल की उपस्थिति में गौपुष्टि हवन हुआ जिसका लाभ सपत्नीक सुशील सुंदरिया ने लेकर गौमाता के प्रिय पात्र बने!सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए । सुंदरकांड महिला मंडल, जेसल पार्क तथा श्री राम महिला मंडल गोल्डन नेस्ट द्वारा सुंदर कांड का पाठ किया गया! इस पर्व के निमित गौशाला की ओर से गौ भक्तों के लिए महा प्रसाद की भी व्यवस्था की गयी ! गोपाष्टमी को लेकर भायंदर से श्रद्धालु विशेष बस द्वारा पहुँचे । लोगों की सुविधार्थ केशव सृष्टि बस स्टैंड से गौशाला तक विशेष वाहनों की व्यवस्था भी की गयी थी।

गोपाष्टमी महापर्व में केशव सृष्टि के पालक विमलजी केडिया, केशव सृष्टि के अध्यक्ष एस एस गुप्ता सपत्नीक सतीश सिन्नरकरजी, केशव सृष्टि के सभी प्रकल्पों के ट्रस्टी, विधायक गीता जैन,पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता, महापौर डिंपल मेहता सहित मीरा भायंदर के अनेक नगरसेवक, नगरसेविकाएँ, सामाजिक संस्थाओं के लोगों ने भी शिरकत कर गौपूजन किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने राजू आप्टे, महावीर प्रसाद शर्मा,नरेश पसारी, नेमीचंद चौहान, संजय अग्रवाल, अरुण बिस्सा, किशोर जैन, देवेंद्र वखरिया, गौशाला के माधव व सभी कर्मचारियों का उत्कृष्ट योगदान रहा।

केशवसृष्टि गौशाला में पोद्दारजी ने किया गौदान

केशवसृष्टि गोशाला में मुम्बई तथा उपनगरों से गौप्रेमी आकर गौपूजन गौसेवा करते हैं । इस कड़ी में श्री नरेन्द्र पोद्दारजी ने नवम्बर माह में अपने पिताश्री रामप्रकाश जी पोद्दार की स्मृति में गौदान किया । इस अवसर पर श्री नरेन्द्र पोद्दारजी ने की माताश्री, उनकी धर्मपत्नी, केशवसृष्टि के पालक विमलजी केडिया, केशवसृष्टि गौशाला के कार्यवाह डॉ. सुशील अग्रवाल सहित गौशाला के कर्मचारी उपस्थित थे! उस अवसर पर विप्र द्वारा मंत्रोच्चार के साथ गौपूजन करवाया गया तथा जिस गाय का गौदान किया गया उसका नाम राधा रानी रखा गया।

यहाँ गोरतलब है कि श्री नरेन्द्रजी पोद्दार के पिताजी रामप्रकाश जी पोद्दार जिनकी स्मृति में यह गौदान किया गया वे हमेशा केशवसृष्टि के सहयोगी रहे तथा राम रत्ना विद्या मंदिर में जो अन्नपूर्णा भवन है उसके सौजन्यदाता रहे । उनके पुत्र नरेन्द्रजी पोद्दार द्वारा गौदान किये जाने के पश्चात गौशाला के कार्यवाह डॉ सुशील अग्रवाल द्वारा उनका सत्कार किया गया

अमृत महोत्सव पर केशवसृष्टि में किया वृक्षारोपण

श्री बेतालीस विशा श्रीमाली जैन ज्ञाति मंडल, मुम्बई संस्था के ७५ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'सांसे हों रही कम आओ वृक्ष लगाएँ हम' के नारे को चरितार्थ करते हुए संस्था द्वारा केशव सृष्टि में १९ नवम्बर मंगलवार को वृक्षारोपण किया गया!

इस अवसर पर ज्ञाति मंडल के दानदाता ट्रस्टियों तथा मंडल के पदाधिकारियों ने सुबह केशवसृष्टि पहुँच कर केशवसृष्टि मुख्यद्वार से लगा कर नेक्टर गार्डन तक दोनों तरफ करीब ७५ फल व फूलों के वृक्ष लगाये। इस कार्यक्रम के तहत नेक्टर गार्डन में भी वृक्ष लगाये ताकि पक्षी व बटर फ्लाई आ सके! इस कार्यक्रम में परेश शांतिलाल शाह, राकेश जीवनलाल, स्नेहल जयंतीलाल भी उपस्थित थे।

केशवसृष्टि
एक तीर्थ

मैं केशव सृष्टि समाचार के व्यासजी के आग्रह पर केशव सृष्टि आया। मुम्बई जैसे महानगर के पास इतना सुंदर तीर्थ!

येन जना तारयंति तानि तीर्थानि, अर्थात् जो लोगों को भव सागर से तैराकर पार लगावें वे ही तीर्थ कहलाते हैं।केशव सृष्टि इस कथनानुसार ठीक है।गौशाला, यज्ञशाला, व्यायामशाला, पुस्तकशाला व भोजनशाला ये पांच शालाएँ किसी भी आवास के मुख्य आयाम हैं। भोजन व गौशाला के संग पुस्तकालय की बढ़िया व्यवस्था प्रशंसनीय है यद्यपि पाठकों का अभाव सर्वत्र दुःखद है, यहां भी।

सृष्टि की दृष्टि श्रेष्ठ है पर डॉ हेडगेवार जी के सांगोपांग अध्ययन युक्त दिव्य बने, यह अपेक्षित है। परमात्मा की कृपा बने।

गिरीश जोशी, कवि साहित्यकार
ए-१, पहला माला,
विनायक विलां अपार्टमेंट,
सेलिब्रेशन मॉल के
पीछे- उदयपुर राजस्थान.

आभार

केशव सृष्टि गौशाला में आयोजित गोपाष्टमी पर्व को सफल बनाने में सभी गौभक्तो, सामाजिक संघठनों, प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष योगदान देने वाले गौप्रेमी तथा केशव सृष्टि की सभी संस्थाओं का आभार

डॉ सुशील अग्रवाल
कार्यवाह केशव सृष्टि गौशाला

संघ गीत

उठो जवानो हम भारत
चमकें कि ज्यों दिनकर चमका है
उठें कि ज्यो तूफान उठे
चलें चाल मस्ताने गज सी
हँसें कि विपदा भाग उठे

हम भारत की तरुणाई है
माता की गलहार हैं
अभिमन्यु के रथ का पहिया....

गुरु पूजा में एकलव्य हम
बैरागी के बाण हैं
लव कुश की हम प्रखर साधना
शकुंतला के प्राण हैं
चन्द्रगुप्त की दिग्विजयों के
हम ही खेवनहार हैं
अभिमन्यु के रथ का पहिया....

गोरा, बदल, जयमल, पत्ता,
भगत सिंह, सुखदेव, आज़ाद
केशव की हम ध्येय साधना
माधव बन होती आवाज़
आज नहीं तो कल भारत के
हम ही पहरेदार है
अभिमन्यु के रथ का पहिया....

उठो जवानो हम भारत के
स्वाभिमान सरताज हैं
अभिमन्यु के रथ का पहिया,
चक्रव्यूह की मार हैं .....

राहुल देशमुख यांचे कार्य डोळसांनाही थक्क करायला लावणारे!

'केशवसृष्टी' पुरस्कार सोहळ्यात भैय्याजी जोशी यांचे गौरवोद्गार

मुंबई : 'काम करताना ठेच लागल्यानंतर थांबणारे अधिक आहेत, परंतु न डगमगता आपले कार्य अविरतपणे पुढे चालू ठेवणारे राहुल देशमुख हे अंध असूनही समाजासाठी खरे डोळस आहेत,' अशा शब्दांत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघाचे सरकार्यवाह भैय्याजी जोशी यांनी देशमुख यांच्या कार्याचा गौरव केला . 'ते अंध असले तरी, त्यांचे काम डोळसांनाही थक्क करायला लावणारे आहे,' असे ते म्हणाले. समाजासाठी उल्लेखनीय कार्य करणाऱ्या व्यक्ती आणि संस्थेचा केशवसृष्टी संस्थेतर्फे 'केशवसृष्टी' पुरस्कार देऊन सत्कार करण्यात येतो. यंदा पुरस्काराचे दहावे वर्ष आहे. यंदाचा पुरस्कार सोमवार ११ नोव्हेंबर रोजी 'नॅशनल असोसिएशन फॉर वेल्फेअर ऑफ फिजिकल चॅलेंज्ड' या संस्थेचे संस्थापक राहुल देशमुख यांना भैय्याजी जोशी यांच्या हस्ते सन्मानपूर्वक प्रदान करण्यात आला.

दादर शिवाजी पार्क येथील स्वातंत्र्यवीर सावरकर सभागृहात झालेल्या या समारंभासाठी केशवसृष्टीचे अध्यक्ष एस . एस. गुप्ता, केशवसृष्टी पुरस्कार निवड समितीच्या अध्यक्षा हेमाताई भाटवडेकर, राहुल देशमुख यांच्या पत्नी देवता देशमुख आणि निवड समिती सदस्य व्यासपाठीवर उपस्थित होते. यावेळी उपस्थितांना जोशी यांनी संबोधित केले. ते म्हणाले, 'काम करताना ठेचकाळल्याने काम थांबवणारे अनेकजण असतात. पण ठेचकाळल्यानंतरही आपले काम निष्ठेने पुढे नेणारे फार कमी असतात. त्यापैकी राहुल देशमुख एक आहेत. या राहुलजींना अंध कोण म्हणेल? त्यांना दृष्टी आहे. ज्या अंधांना आपण डोळस म्हणतो, त्यांचे प्रतिनिधी आहेत राहुल देशमुख,' असे म्हणत भैय्याजींनी राहुल यांच्या कामाची प्रशंसा केली. 'राहुलजी डोळस आहेत. त्यांना नेत्र कदाचित नसतील, पण दृष्टी नाही असे नाही. आपण आज श्रेष्ठ अशा डोळस माणसाचा सत्कार करत आहोत. कोण बरोबर येतंय की नाही याची चिंता न करता निर्भयपणे वाटचाल करणे सोपे नाही. पण ठेचकाळल्यानंतरही पुढे चालत राहणारे पुरुषार्थी व्यक्तिमत्त्व म्हणजे राहुल देशपांडे,' अशा शब्दांत त्यांनी त्यांच्या कामाचे कौतुक केले.

सत्कारमूर्ती राहुल देशमुख म्हणाले की , 'आम्ही ग्रामीण भागातील नेत्रहीन आणि दिव्यांग मुलांसाठी काम करतो. त्यांना समाजाच्या मुख्य प्रवाहात आणण्यासाठी आमची धडपड सुरू आहे. त्या मुलांचा कल लक्षात घेऊन, त्यांच्यात आत्मविश्वास निर्माण करून त्यांना स्वत:च्या पायावर उभे करण्यासाठी, त्यांना सन्मानाने जगता यावे म्हणून मी जे काही काम केले आहे, त्या कामाची पावती म्हणून हा पुरस्कार मिळाला असे मानतो,' असा त्यांनी कृतज्ञतापूर्वक उल्लेख केला. स्वत:च्या अंधत्वाशी लढताना कोलमडून पडण्यासारखे आयुष्यात बरेच प्रसंग आले, पण खचलो नाही, सदैव निधडेपणाने परिस्थितीशी झगडत राहिलो. सगळे दिव्यांग बांधव या परिस्थितीतून जात आहेत, हे लक्षात आल्याने ही परिस्थिती बदलण्याच्या कामाला लागलो. स्वत:वर भक्कम विश्वास होता. कामाविषयी तुमच्या मनात तळमळ असेल, तर अडचणी कितीही येवोत, तुमचे काम कधीही थांबत नाही,' असा त्यांनी उपस्थितांना कानमंत्र दिला. दै.'मुंबई तरुण भारत' या कार्यक्रमाचे माध्यम प्रायोजक होते. शिवाय या कार्यक्रमाचे 'महा एमटीबी'वर थेट प्रक्षेपणही करण्यात आले. यावेळी कार्यक्रमात दै.'मुंबई तरुण भारत'चे संपादक किरण शेलार यांचा सत्कार करण्यात आला.

दिव्यदृष्टीचे राहुल

राहुल देशमुख यांची तिसऱ्या वर्षी दृष्टी गेली . मात्र त्यावरही त्यांनी मात करत अभ्यासात प्रगती कायम ठेवली. पदव्युत्तर बीएड्, एमएसडब्ल्यूचा अभ्यासक्रम पूर्ण करून त्यांनी अंध अपंगांना संगणकाचे शिक्षण देण्याचे महत्त्वपूर्ण काम केले. अगरबत्त्या आणि मेणबत्त्या बनविणे हे कालबाह्य झालेले काम शिकवून अंध व्यक्तींना सन्मानाचे जीणे जगता येणार नाही, यावर ते ठाम आहेत. आज त्यांच्या संस्थेत १२५० अंध, अपंग विद्यार्थी शिक्षण घेत आहेत.

देवता यांचेही मोलाचे योगदान

राहुल देशमुख यांच्या पत्नी देवता यासुद्धा एमबीए फायनान्सच्या पदवीधर आहेत . एका नामवंत संस्थेत त्या व्यवस्थापक म्हणून काम पाहत होत्या. मात्र, आता त्या पूर्णवेळ राहुलजींच्या कामात मदत करत आहेत. अंध नवऱ्याची काठी होऊन आहेत.

पुरस्कार विजेतेत्यांची उपस्थिती

मागील नऊ वर्षे पुरस्कार मिळविलेल्यांपैकी गजानन डांगे , विजय जाधव, नरसिंग झरे, मिलिंद थत्ते, विजय शिवले, सागर रेड्डी, प्रमोद गायकवाड असे पुरस्कारविजेते या कार्यक्रमासाठी आवर्जून उपस्थित होते. पुरस्कार विजेत्यांचे केशवसृष्टीशी एक नाते जुळले असून तो एक परिवार झाला आहे. त्यांचे एक चर्चासत्रही झाले.

ज्योतीने तेजाची आरती

या समारंभात 'ज्योतीने तेजाची आरती' या अंकाचे प्रकाशन करण्यात आले. त्या अंकात पुरस्कारप्राप्त मागील व्यक्ती आणि संस्थांची माहिती देण्यात आली आहे. समाजासाठी काम करणाऱ्यांसाठी ती फारच उपयुक्त आहे.

केशवसृष्टि माय ग्रीन सोसायटी द्वारा संपन्न विविध उपक्रम

Mananiya Prant Pracharak Shri Sumant Amshekar ji, Inaugurated watering system for the City Forest, created in I. Y. College, Jogeshwari. Besides our City Forest, it will also serve the other plantations being done / managed by morning walkers.

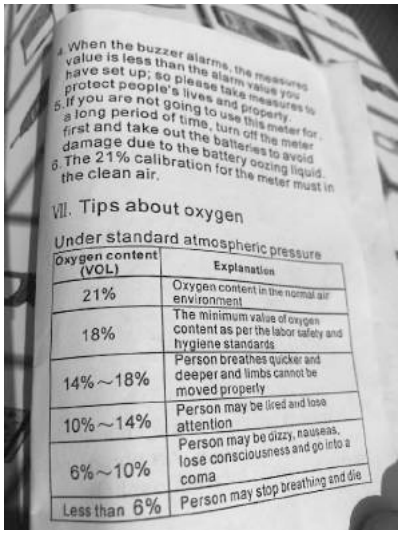

4. When the buzzer alarms, the measured value is less than the alarm value you have set up; so please take measures to protect people's lives and property.
5. If you are not going to use this meter for a long period of time, turn off the meter first and take out the batteries to avoid damage due to the battery oozing liquid.
6. The 21% calibration for the meter must in the clean air.

VII. Tips about oxygen

Under standard atmospheric pressure

Oxygen content (VOL)	Explanation
21%	Oxygen content in the normal air environment
18%	The minimum value of oxygen content as per the labor safety and hygiene standards
14%～18%	Person breathes quicker and deeper and limbs cannot be moved properly
10%～14%	Person may be tired and lose attention
6%～10%	Person may be dizzy, nauseas, lose consciousness and go into a coma
Less than 6%	Person may stop breathing and die

A demo of O2 detector equipment is done at City forest of Jogeshwari (which is just 2 months old). Showed 21%, near the car exhaust pipe - 17.4%. Similar study shall be conducted at all our sites.

"मुंबईकर....लास्टिक जमा कर"

A STEP TOARDS CARBON NEURAL MUMBAI

Plastics are a boon to man-kind, however, it is our duty for its post usage Segregation at source, so that Plastic Waste is properly recycled.

Wealth can be generated from waste.

Please Contact Us and Register Yourself

Students can bring change in the society.

Our plastic waste collection drive is intended to inclucate a habbit of waste segregation amongst students

Encourage your school students to bring all plastic waste such as wrappers, carry bags, grocery bags and PET Bottles

Participate in the activity, Plase contact
Aardip - 9920309743 / Prajakta - 9321356020

www.mvgreensociety.in www.keshavsrushti.com

Keshavsrushti Vanaushadhi

उत्तन वनौषधी
संशोधन संस्था का

केशवसृष्टि वनौषधी केंद्र

स्वास्थ्य उत्पाद

हर्बो - एस व्हि पावडर

संपूर्ण परिवार का स्वास्थ्य रक्षक, बलवर्धक, बुद्धीवर्धक, सभी आयु में उपयुक्त टोनिक ।
मात्रा - ५ से १० ग्राम दुध के साथ या दुध के बिना प्रतीदिन दो बार ।

उत्तन प्राश

संपूर्ण परिवार का पारंपारिक हेल्थ टोनिक (Vitamin C) से भरपूर, प्रतिकार शक्ती बढाता है एवम शरीर स्वस्थ, निरोगी रखने में उपयुक्त ।
मात्रा - एक एक चमच दिन में दो बार ।

उत्तन रुदन्ति सिरप

शक्तिवर्धक, शरीर कि प्रतिकार शक्ती बढाने में उपयुक्त ।
मात्रा - ५ से १० मिली दिन में दो बार ।

उत्तन ब्राह्मी सिरप

बुद्धीवर्धक और स्मरण शक्ती बढाने में उपयुक्त, छात्रो के लिये और वृद्धावस्था में विशेष लाभकारक ।
मात्रा - प्रौढ -१० मिली दिन में दो बार / बच्चे -५ मिली दिन में दो बार

हर्बुटी पावडर

विविध प्राकृतिक जडीबुटीयो से बनाई हुई, गुणों से भरपूर, उत्साहवर्धक, स्वास्थ्यवर्धक आयुर्वेदिक चाय शरीर के सभी संस्था को शुद्ध करता है ।
(Detoxification of Body), No Side effect.
मात्रा - ३ ग्राम हर्बूटी १०० मिलि पानी में ३ मिनिट उबालकर छानकर पीना चाहिये ।

केशवसृष्टी, उत्तन गाँव, गोराई रोड, भाईन्दर (पश्चिम), जिला थाना 401 106 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 28450720 मोबाईल : 7715881424
E-mail: uvss.keshavsrushti@gmail.com • Website : www.uttan-vanaushadhi.org

Keshavsrushti Vanaushadhi

उत्तन वनौषधी
संशोधन संस्था का

केशवसृष्टि वनौषधी केंद्र

स्वास्थ्य उत्पाद

उत्तन अलोवेरा जेल

त्वचा स्वास्थ्यकारक, सभी ऋतुओ में उपयुक्त, शुष्क त्वचा को स्निग्धता देता है, बढती उमर के साथ आनेवाले बदलाव को रोकता है, सूर्य के तीव्र किरणो से त्वचा का रक्षण करता है, जख्म और जलने पर लगाने से लाभकारक ।
मात्रा - आवश्यकतानुसार प्रयोग करे ।

उत्तन अलोवेरा अल्मंड लोशन

त्वचा का पोषण करके त्वचा को स्निग्ध एवं मुलायम बनाता है, त्वचा स्वास्थ्यकारक,
सभी ऋतुओ में उपयुक्त ।
मात्रा - आवश्यकतानुसार प्रयोग करे ।

उत्तन लीप बाम

प्राकृतिक रुप से होठों को स्निग्ध और मुलायम रखता है, होठो का सौंदर्य बढाने में उपयुक्त ।
मात्रा - आवश्यकतानुसार प्रयोग करे ।

उत्तन वासाकुमारी सिरप

सभी प्रकार के सर्दी और खाँसी में उपयुक्त तुरंत आराम, No Side Effect, सितोपलादी चूर्ण के साथ लेने से अधिक लाभकारक।
मात्रा - ५ से १० मिली दिन में दो या तीन बार ।

उत्तन सितोपलादी चूर्ण

कफ युक्त खाँसी और श्वसन संस्था संबंधित सभी विकारो में उपयुक्त, वासाकुमारी सिरप के साथ लेने से अधिक लाभदायक ।
मात्रा - २ से ३ ग्राम चूर्ण शहद के साथ लेना चाहिये ।

केशवसृष्टी, उत्तन गाँव, गोराई रोड, भाईन्दर (पश्चिम), जिला थाना 401 106 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 28450720 मोबाईल : 7715881424
E-mail: uvss.keshavsrushti@gmail.com • Website : www.uttan-vanaushadhi.org

केशवसृष्टि
माय ग्रीन सोसायटी द्वारा संपन्न
विविध उपक्रम

Work of city forest in Borivali's Jijau garden is complete.

***18th City Forest Plantation at**
P South ward.. Near Poddar International School, Malad, East..

Postal Registration No. THW/06/2017-2019 RNI No. 72232 / 99

वर्षानुवर्षे जिभेवर रेंगाळणारा साऱ्यांना हवाहवासा वाटणारा बेडेकर लोणच्यांचा तोच चटकदार स्वाद

आंबट, तिखट, गोड
अशा विविध स्वादांची
बेडेकर लोणची.

पारंपारिक पद्धतिने
निवडक वस्तूंपासून
बनविलेली दर्जेदार
बेडेकर लोणची

व्ही. पी. बेडेकर ॲण्ड सन्स प्रा. लिमिटेड
56, घारपुरे पथ, गिरगांव, व्ही. पी. बेडेकर मसालेवाले चौक, मुंबई - 4.

यह पत्रिका मुद्रक एवं प्रकाशक सुरेश भगेरिया द्वारा केशवसृष्टि के लिए यूनिटी आर्ट ऑफसेट, ३०२, वडाला उद्योग भवन, वडाला, मुंबई - ४०० ०३१ से मुद्रित और केशवसृष्टि, उत्तन, भायंदर, जि. ठाणे से प्रकाशित हुई है. - संपादक : **सुदर्शन शर्मा**